# चम्पारण ज्ञानाग्रह

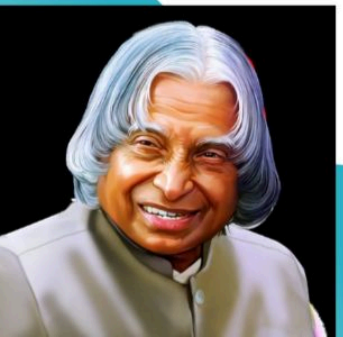
**प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 23 नवंबर 2026, अंक –400.**

**प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)**

**सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."**




"मीठी वाणी औषधि के समान है।"



विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

**संपादक:- शैलेन्द्र कुमार**



अनुभाग-1

# "प्रार्थना-सभा सामग्री"

## Monday Prayer

सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।

सदा हमारे सिर पर तेरा हाथ रहे,
हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे,
हां, हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे;
खुशियों का हो जीवन में आयाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मिलकर इस धरती को चमन बनाएं हम,
गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम।
हां, गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम;
यही हमारा हो हरदम पैगाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मात-पिता की सेवा और सम्मान करें,
उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
हां, उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
अच्छे कर्म का अच्छा परिणाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
हाँ, विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
तुम्ही से है आगाज़ तुम्हीं से अंजाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

गुरुओं का सत्कार कभी न भूले हम,
इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
हाँ, इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
तुम्हीं से है हर सुबह तुम्ही से शाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा...

## बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

## राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

## राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।



## संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

## मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

## मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

# वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

## सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. कोमोरोस देश की राजधानी क्या है?
उत्तर: मोरोनी।
प्रश्न 2. छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध लोकगायन एवं कथा-वाचन शैली, जिसमें महाभारत की कथाएँ गाई जाती हैं, क्या कहलाती है?
उत्तर: पंडवानी।
प्रश्न 3. तमिलनाडु की पारंपरिक लोकनाट्य शैली, जिसमें गीत, नृत्य और अभिनय का समावेश होता है, क्या कहलाती है?
उत्तर: थेरुकूथु।
प्रश्न 4. किसी समांतर चतुर्भुज का क्षेत्रफल ज्ञात करने का सूत्र क्या है?
उत्तर: आधार × ऊँचाई।
प्रश्न 5. बिहार के किस ऐतिहासिक मैदान का नाम महात्मा गांधी के सम्मान में रखा गया था?
उत्तर: गांधी मैदान।
प्रश्न 6. रेशम का धागा किस जीव के कोकून से प्राप्त होता है?
उत्तर: रेशमकीट।
प्रश्न 7. माचिस की घर्षण से जलने वाली तीली का आविष्कार किसने किया था?
उत्तर: जॉन वॉकर।
प्रश्न 8. भारत में मतदान की न्यूनतम आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष किस संविधान संशोधन द्वारा की गई?
उत्तर: 61वाँ संशोधन।
प्रश्न 9. 'जो सुनने योग्य हो' उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: श्रव्य।
प्रश्न 10. बिजली चमकने के बाद बादलों की गर्जना कुछ देर से क्यों सुनाई देती है?
उत्तर: ध्वनि की गति प्रकाश की गति से कम होने से।

संकलन:-



पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

## शब्द - संगम

1. Agriculture - एग्रीकल्चर - कृषि
2. Livestock - लाइवस्टॉक - पशुधन
3. Poultry - पोल्ट्री - मुर्गीपालन
4. Apiculture - एपिकल्चर - मधुमक्खी पालन
5. Sericulture - सेरीकल्चर - रेशम उत्पादन
6. Horticulture - हॉर्टिकल्चर - उद्यानिकी
7. Floriculture - फ्लोरीकल्चर - पुष्पकृषि



संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

## English गप-शप

आज का Structure: "How are we going to + V1?"
(हम कैसे ... करने वाले हैं?)
हम इस नदी को कैसे पार करने वाले हैं? – How are we going to cross this river?
हम इस मशीन का उपयोग कैसे करने वाले हैं? – How are we going to use this machine?
हम अपने लक्ष्य को कैसे प्राप्त करने वाले हैं? – How are we going to achieve our goal?
हम इस कार्यक्रम का आयोजन कैसे करने वाले हैं? – How are we going to organise this programme?
हम समय पर स्टेशन कैसे पहुँचने वाले हैं? – How are we going to reach the station on time?



संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

अनुभाग-3

# "सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रतिवर्ष 21 नवंबर को संयुक्त राष्ट्र द्वारा जनसंचार, शिक्षा और वैश्विक सूचना प्रवाह में टेलीविजन के बढ़ते प्रभाव को रेखांकित करने हेतु कौन-सा अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: विश्व टेलीविजन दिवस (World Television Day)
व्याख्या: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने दिसंबर 1996 में संकल्प 51/205 पारित कर प्रतिवर्ष 21 नवंबर को 'विश्व टेलीविजन दिवस' (World Television Day) के रूप में मनाने की घोषणा की थी। यह तिथि 21-22 नवंबर 1996 को संयुक्त राष्ट्र में आयोजित 'प्रथम विश्व टेलीविजन फोरम' की स्मृति में चुनी गई। इसका मुख्य उद्देश्य टेलीविजन को केवल मनोरंजन के साधन के बजाय जन-शिक्षा, सामाजिक जागरूकता, लोकतांत्रिक संवाद और वैश्विक मुद्दों पर जनता का ध्यान केंद्रित करने वाले एक सशक्त संचार माध्यम के रूप में स्वीकार करना है। भारत में टेलीविजन का प्रसारण 15 सितंबर 1959 को 'दूरदर्शन' के रूप में प्रारंभ हुआ था।
संदर्भ: UN General Assembly Resolution 51/205;

प्र.2. हाल ही में भारत सरकार द्वारा सेमीकंडक्टर विनिर्माण और इलेक्ट्रॉनिक्स पारिस्थितिकी तंत्र को आत्मनिर्भर बनाने हेतु 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' (ISM) के अंतर्गत किन प्रमुख राज्यों में स्थापित की जा रही चिप असेंबली व परीक्षण (ATMP/OSAT) इकाइयों के निर्माण चरण को गति प्रदान की गई? (समसामयिक घटना)
उत्तर: गुजरात (साणंद व धोलेरा) और असम (मोरीगांव)
व्याख्या: 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' (ISM) के तहत भारत को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर हब बनाने के लिए गुजरात के साणंद व धोलेरा तथा पूर्वोत्तर भारत में असम के मोरीगांव (जागीरोड) में स्थापित हो रही सेमीकंडक्टर फैब और ATMP (Assembly, Testing, Marking, and Packaging) इकाइयों के बुनियादी ढांचे का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। इन संयंत्रों के संचालन से ऑटोमोबाइल, दूरसंचार (5G/6G), रक्षा उपकरणों और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए स्वदेशी चिप्स का उत्पादन संभव होगा तथा देश में हजारों उच्च-तकनीकी रोजगार सृजित होंगे।
संदर्भ: Ministry of Electronics and Information Technology (MeitY) Press Releases;

प्र.3. प्रसिद्ध हिंदी साहित्यकार विष्णु प्रभाकर द्वारा शरतचंद्र चट्टोपाध्याय के संघर्षमय जीवन और साहित्यिक साधना पर रचित वह कौन-सी कालजयी जीवनी कृति है, जिसे 14 वर्षों के गहन शोध के बाद 1974 में प्रकाशित किया गया था? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: आवारा मसीहा (1974)
व्याख्या: 'आवारा मसीहा' (1974) सुप्रसिद्ध रचनाकार विष्णु प्रभाकर द्वारा प्रख्यात बांग्ला उपन्यासकार शरतचंद्र चट्टोपाध्याय के जीवन पर लिखी गई हिंदी साहित्य की सर्वश्रेष्ठ और प्रामाणिक जीवनी कृति है। इस पुस्तक को लिखने के लिए विष्णु प्रभाकर ने शरतचंद्र के जीवन से जुड़े विभिन्न स्थलों (बंगाल, बिहार के भागलपुर और म्यांमार/बर्मा) की यात्रा की और 14 वर्षों तक तथ्यों का संकलन किया। इसमें शरतचंद्र के घुमक्कड़ स्वभाव, निर्धन और उपेक्षित वर्गों के प्रति गहरी संवेदना तथा 'देवदास', 'श्रीकांत' और 'चरित्रहीन' जैसी अमर कृतियों की रचना-प्रक्रिया का अत्यंत जीवंत अंकन मिलता है।
संदर्भ: विष्णु प्रभाकर — 'आवारा मसीहा', राजपाल एंड संस; NCERT Hindi Class 11 (अंतरा भाग-1 साहित्य

प्र.4. किसी पारिस्थितिक तंत्र में जब एक जीव को लाभ होता है और दूसरे जीव को न तो कोई लाभ होता है और न ही कोई हानि होती है (जैसे आम की शाखा पर उगने वाला ऑर्किड या व्हेल की पीठ पर रहने वाले बार्नेकल), तो इस अंतःक्रिया को क्या कहा जाता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: सहभोजिता (Commensalism)
व्याख्या: पारिस्थितिकी में विभिन्न प्रजातियों के मध्य होने वाली समष्टि पारस्परिक क्रियाओं (Population Interactions) में 'सहभोजिता' (Commensalism) एक महत्वपूर्ण संबंध है, जिसे गणितीय रूप से (+, 0) द्वारा दर्शाया जाता है। इसमें एक प्रजाति को आवास, भोजन या परिवहन का लाभ मिलता है, जबकि दूसरी प्रजाति पूरी तरह अप्रभावित (उदासीन) रहती है। इसके प्रमुख प्राकृतिक उदाहरण हैं: (1) आम के पेड़ की शाखा पर अधिपादप (Epiphyte) के रूप में उगने वाला ऑर्किड; (2) चरने वाले मवेशियों के साथ चलने वाले बगुले (Cattle Egret), जो मवेशियों के चलने से घास से बाहर निकलने वाले कीड़ों को खाते हैं; तथा (3) समुद्री एनीमोन के दंश स्पर्शकों के बीच सुरक्षित रहने वाली क्लाउन मछली।
संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 13 "जीव और समष्टियाँ" (Organisms and Populations - Commensalism), p. 236–238;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान महाराष्ट्र के सतारा और कोल्हापुर क्षेत्र में नाना साहेब के प्रतिनिधि के रूप में ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध सशस्त्र विद्रोह का नेतृत्व करने वाले देशभक्त क्रांतिकारी कौन थे? (इतिहास)
उत्तर: रंगो बापूजी गुप्ते (और चिमा साहेब)
व्याख्या: रंगो बापूजी गुप्ते सतारा के अपदस्थ राजा प्रताप सिंह के विश्वस्त वकील और 1857 के राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम में पश्चिमी भारत के प्रमुख सूत्रधार थे। लंदन में वर्षों तक ब्रिटिश संसद और ईस्ट इंडिया कंपनी के समक्ष सतारा राज्य की बहाली की कानूनी लड़ाई लड़ने के बाद जब उन्हें न्याय नहीं मिला, तो वे भारत लौटे और सशस्त्र क्रांति का मार्ग चुना। उन्होंने नाना साहेब और तात्या टोपे के साथ संपर्क स्थापित कर रामोशी, कोली और मांग समुदायों के हजारों योद्धाओं को संगठित किया तथा सतारा, पुणे और बेलगाम में ब्रिटिश खजानों व छावनियों पर हमले की योजना बनाई। ब्रिटिश दमन के बाद वे भूमिगत हो गए और अंग्रेज उन्हें कभी जीवित नहीं पकड़ सके।
संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 5 "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके बाद", p. 55–58;

# "सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. हिमालय पर्वत श्रृंखला के कुमाऊं क्षेत्र में उत्तराखंड के गंगोत्री ग्लेशियर (गोमुख) से निकलने वाली 'भागीरथी' और सतोपंथ ग्लेशियर से निकलने वाली 'अलकनंदा' नदियाँ किस पवित्र संगम स्थल पर मिलकर 'गंगा' नाम धारण करती हैं? (भूगोल)

उत्तर: देवप्रयाग (उत्तराखंड)

व्याख्या: उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल जिले में स्थित 'देवप्रयाग' पंच प्रयागों (विष्णुप्रयाग, नंदप्रयाग, कर्णप्रयाग, रुद्रप्रयाग और देवप्रयाग) में अंतिम और सर्वाधिक महत्वपूर्ण संगम स्थल है। यहाँ गंगोत्री हिमनद के गोमुख से निकलने वाली तेज धारा 'भागीरथी' और बद्रीनाथ के निकट सतोपंथ हिमनद से निकलने वाली 'अलकनंदा' नदी का परस्पर संगम होता है। देवप्रयाग से आगे इस संयुक्त जलधारा को आधिकारिक रूप से 'गंगा नदी' कहा जाता है, जो ऋषिकेश और हरिद्वार होते हुए उत्तर भारत के विशाल मैदान में प्रवेश करती है।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 3 "अपवाह", p. 19–21; NCERT Class 11 India Physical Environment, Ch 3 Drainage System, p. 23–25;

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (CAG) को यह निर्देश देता है कि वह संघ और राज्यों के लेखों को ऐसे प्रारूप में रखे जो राष्ट्रपति द्वारा कैग की सलाह पर विहित किया जाए? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 150 (Article 150)

व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-V में नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (CAG) से संबंधित प्रावधानों के अंतर्गत 'अनुच्छेद 150' लेखांकन के प्रारूप का निर्धारण करता है। इसके अनुसार, संघ के और राज्यों के लेखाओं (Accounts) को ऐसे प्रारूप में रखा जाएगा जो भारत के राष्ट्रपति, भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक की सलाह पर विहित (निर्धारित) करें। वर्ष 1976 में केंद्र सरकार के स्तर पर लेखांकन (Accounting) और लेखापरीक्षा (Auditing) के कार्यों को अलग कर दिया गया, परंतु राज्यों के स्तर पर आज भी कैग ही दोनों दायित्वों का निर्वहन करता है, जिससे सार्वजनिक व्यय में वित्तीय पारदर्शिता सुनिश्चित होती है।

संदर्भ: Constitution of India, Part V, Article 150; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: सिद्धांत और व्यवहार), Ch 5 "विधायिका", p. 112–115;

प्र.8. मानव हृदय में ऑक्सीजन-युक्त शुद्ध रक्त (Oxygenated Blood) को बाएं निलय (Left Ventricle) से ग्रहण कर शरीर के सभी अंगों तक पहुँचाने वाली शरीर की सबसे बड़ी मुख्य धमनी कौन-सी है? (विज्ञान)

उत्तर: महाधमनी (एओर्टा / Aorta)

व्याख्या: मानव के दोहरे परिसंचरण तंत्र (Double Circulation) में 'महाधमनी' (Aorta) शरीर की सबसे बड़ी और सबसे मोटी भित्ति वाली रक्त वाहिका है। जब फेफड़ों से शुद्ध (ऑक्सीजन-युक्त) रक्त फुप्फुस शिराओं द्वारा हृदय के बाएं अलिंद (Left Atrium) और फिर बाएं निलय (Left Ventricle) में आता है, तो बाएं निलय के शक्तिशाली संकुचन (Systole) से यह रक्त उच्च दाब के साथ 'महाधमनी' में पंप किया जाता है। महाधमनी आगे चलकर अनेक छोटी धमनियों और केशिकाओं (Capillaries) में विभाजित होकर मस्तिष्क सहित शरीर की प्रत्येक कोशिका को ऑक्सीजन और पोषक तत्व प्रदान करती है।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 6 "जैव प्रक्रम" (मानव में वहन), p. 115–118;

प्र.9. 12वीं शताब्दी में काकतीय राजवंश के सेनापति रेचारला रुद्र द्वारा तेलंगाना के वारंगल (मुलुगु) में निर्मित वह कौन-सा अद्वितीय शिव मंदिर है, जो तैरने वाली हल्की ईंटों (Floating Bricks) और 'सैंडबॉक्स तकनीक' की भूकंपरोधी नींव के लिए विश्वप्रसिद्ध यूनेस्को धरोहर है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: रामप्पा मंदिर (रुद्रेश्वर मंदिर, तेलंगाना)

व्याख्या: काकतीय रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर तेलंगाना के मुलुगु जिले के पालमपेट गाँव में स्थित 13वीं शताब्दी (1213 ईस्वी) का एक अद्भुत स्थापत्य चमत्कार है। इस मंदिर का नाम इसके मुख्य शिल्पकार 'रामप्पा' के नाम पर पड़ा है। इसकी दो प्रमुख वैज्ञानिक विशेषताएं हैं: (1) इसके शिखर के निर्माण में अत्यंत हल्की छिद्रयुक्त ईंटों का उपयोग किया गया है, जो पानी पर तैर सकती हैं, जिससे छत का वजन कम रहता है; (2) इसकी नींव में 'सैंडबॉक्स तकनीक' (Sandbox Technology) का उपयोग किया गया है, जिसमें गड्ढे को रेत, चूने और गुड़ के मिश्रण से भरा गया है जो भूकंप की तरंगों को सोख लेता है। वर्ष 2021 में इसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया।

संदर्भ: Archaeological Survey of India (ASI) Hyderabad Circle; UNESCO World Heritage Centre Official Citation (2021);

प्र.10. बिहार के वैशाली जिले के बसाढ़ में जन्मे प्राचीन भारत के किस महान गणराज्य को विश्व का 'प्रथम गणतंत्र' (First Republic of the World) माना जाता है, जहाँ राजकाज का संचालन निर्वाचित प्रतिनिधियों की सभा (संस्थागार) द्वारा होता था? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: वज्जि संघ (लिच्छवि गणराज्य, वैशाली)

व्याख्या: छठी शताब्दी ईसा पूर्व में प्राचीन भारत के सोलह महाजनपदों में से एक 'वज्जि महाजनपद' (राजधानी: वैशाली) आठ कुलों का एक सुसंगठित संघ था, जिसमें वैशाली के 'लिच्छवि' सबसे प्रमुख थे। यहाँ वंशानुगत राजतंत्र के बजाय 'गण' या 'संघ' शासन प्रणाली प्रचलित थी, जिसमें हजारों राजा (निर्वाचित प्रतिनिधि) एक साथ 'संस्थागार' (संसद भवन) में बैठकर सर्वसम्मति या बहुमत से कानून बनाते और न्याय करते थे। भगवान बुद्ध ने स्वयं वैशाली के लिच्छवियों की लोकतांत्रिक एकता, नियमित सभाओं और अनुशासन की प्रशंसा की थी। इसी गौरवशाली परंपरा के कारण वैशाली को 'विश्व लोकतंत्र की जननी' कहा जाता है।

संदर्भ: NCERT History Class 6 (हमारे अतीत-1), Ch 5 "राज्य, राजा और एक प्राचीन गणराज्य", p. 51–54; BPSC General Studies Paper-1 Ancient Bihar History;

# "सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: नवंबर W4 – शीतलहर से खतरे एवं इससे बचाव के उपाय के बारे में जानकारी) के अनुसार कड़ाके की ठंड व शीतलहर में शरीर के तापमान को गिरने (हाइपोथर्मिया) से बचाने हेतु पोशाक, पेय पदार्थ एवं श्वसन सुरक्षा से जुड़े कौन-से प्रमुख बचाव उपाय अपनाने चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: गर्म व सूती/ऊनी परतदार पोशाक पहनना, मुंह-नाक ढंककर निकलना, गर्म पेय (अदरक चाय/काढ़ा/हल्दी-दूध) लेना तथा गीले कपड़ों को तुरंत बदलना

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'आपदा जोखिम न्यूनीकरण कैलेण्डर 2026' (नवंबर चतुर्थ शनिवार: शीतलहर से खतरे एवं इससे बचाव के उपाय के बारे में जानकारी) के अनुसार शीतलहर (Cold Wave) से बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों में हाइपोथर्मिया (शरीर का तापमान असामान्य रूप से कम होना) और निमोनिया का गंभीर खतरा उत्पन्न होता है। इससे बचाव हेतु प्रमुख उपाय निम्नलिखित हैं:

1. गरम पोशाक व गीले कपड़ों से बचाव: ठंड में शरीर को ढकने वाले गर्म कपड़े (स्वेटर, टोपी, मोजे) पहनें। यदि कपड़े किसी कारणवश गीले हो जाएं, तो उन्हें तुरंत बदल दें क्योंकि गीले कपड़े शरीर के तापमान को बहुत तेजी से गिराते हैं। बहुत देर तक ठंडे फर्श पर न बैठें और न ही खड़े रहें।
2. श्वसन सुरक्षा और स्नान: घर या विद्यालय से बाहर निकलते समय मफलर या रुमाल से मुंह और नाक को अच्छी तरह ढककर निकलें ताकि बर्फीली हवा सीधे फेफड़ों में न जाए। ठंड के दिनों में स्नान के लिए गुनगुने या गर्म पानी का उपयोग करें।
3. गरम खुराक व पेय पदार्थ: शरीर को आंतरिक ऊष्मा प्रदान करने के लिए गर्म व पौष्टिक भोजन करें तथा गर्म पेय पदार्थ – जैसे अदरक की चाय, तुलसी-अदरक का काढ़ा और हल्दी वाला गर्म दूध – का नियमित सेवन करें।
4. अतिरिक्त सावधानी: ठंड में भारी शारीरिक व्यायाम करने से पूर्व शरीर को अच्छी तरह वार्म-अप (Warm-up) अवश्य करें, तथा बंद कमरे में अंगीठी या कोयला जलाकर न सोएं (इससे कार्बन मोनोऑक्साइड गैस से दम घुटने का खतरा रहता है)। संदर्भ: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) आपदा जोखिम

प्र.12. 5 क्रमागत सम संख्याओं (Consecutive Even Numbers) का औसत 38 है। बताइए उन पाँचों संख्याओं में सबसे बड़ी और सबसे छोटी संख्या का गुणनफल कितना होगा? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 1,428

व्याख्या: यह 'औसत' (Average) और क्रमागत संख्याओं की सममिति (Symmetry) पर आधारित एक मानक, तार्किक और प्रतियोगी परीक्षाओं का महत्वपूर्ण अंकगणितीय प्रश्न है।

नियम: जब पदों की संख्या विषम (यहाँ 5) हो, तो क्रमागत सम संख्याओं का औसत सदैव ठीक बीच वाली (तीसरी) संख्या होती है।

अतः तीसरी (मध्य) सम संख्या = 38।, चूँकि ये क्रमागत सम संख्याएं हैं, इसलिए प्रत्येक संख्या के बीच 2 का अंतर होगा:

पहली (सबसे छोटी) संख्या = 38 - 4 = 34, दूसरी संख्या = 38 - 2 = 36, तीसरी संख्या = 38, चौथी संख्या = 38 + 2 = 40

पाँचवीं (सबसे बड़ी) संख्या = 38 + 4 = 42। (जाँच: (34 + 36 + 38 + 40 + 42) / 5 = 190 / 5 = 38)। अब प्रश्नानुसार, सबसे बड़ी (42) और सबसे छोटी (34) संख्या का गुणनफल: \text{गुणनफल} = 42 \times 34 42 \times 30 = 1,260 42 \times 4 = 168 कुल योग = 1,260 + 168 = 1,428। (वैकल्पिक बीजगणितीय विधि: (38 + 4)(38 - 4) = 38^2 - 4^2 = 1,444 - 16 = 1,428)। अतः उन संख्याओं में सबसे बड़ी और सबसे छोटी संख्या का गुणनफल ठीक 1,428 होगा। संदर्भ: NCERT Mathematics Class 7, Ch 3 (आंकड़ों का प्रबंधन / Data Handling – Mean)।


शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण




## अनुभाग-4

## -: शब्द - संगम :-

Audacious (ऑडेशियस) = Daring (डेयरिंग) = साहसी / निडर
Antonym – Timid (टिमिड) = डरपोक / संकोची
Celerity (सलेरिटी) = Swiftness (स्विफ्टनेस) = तीव्र गति / शीघ्रता
Antonym – Slowness (स्लोनेस) = धीमापन / मंद गति
Decorum (डेकोरम) = Propriety (प्रप्राइअटी) = शिष्टाचार / मर्यादित व्यवहार
Antonym – Impropriety (इम्प्रप्राइअटी) = अनुचित व्यवहार / अशिष्टता
Effrontery (इफ्रन्टरी) = Impudence (इम्प्यूडन्स) = धृष्टता / बेशर्मी
Antonym – Modesty (मॉडेस्टी) = विनम्रता / संकोचशीलता
Fortuitous (फॉर्चुइटस) = Accidental (ऐक्सिडेंटल) = आकस्मिक / संयोगवश घटित
Antonym – Deliberate (डिलिबरेट) = जानबूझकर किया गया / सोच-समझकर किया गया




~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

# "आज का अख़बार"

## NATIONAL NEWS

1. PM Modi Launches Rs 34,470 Crore Projects in Bihar; Inaugurates 'Nitish Setu' — India's Landmark 6-Lane Cable-Stayed Bridge over Ganga in Vaishali
हिन्दी अनुवाद: PM मोदी ने Bihar में ₹34,470 करोड़ की परियोजनाएं लॉन्च कीं; वैशाली में गंगा के ऊपर भव्य 6-लेन 'नीतीश सेतु' का उद्घाटन — Bihar की कनेक्टिविटी में ऐतिहासिक क्रांति।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को Bihar के वैशाली ज़िले में गंगा नदी पर बने 6-लेन केबल-स्टेड ब्रिज "नीतीश सेतु" का उद्घाटन किया। नीतीश सेतु गंगा नदी पर बना एक extradosed cable-stayed bridge है जिसकी लागत लगभग ₹4,280 करोड़ है। यह 9.76 km लंबा bridge पटना ज़िले के Kachchi Dargah (NH-22) को वैशाली ज़िले के Bidupur (NH-322) से जोड़ता है। Bihar CM सम्राट चौधरी ने 13 नवम्बर को इसे नीतीश सेतु नाम देने की घोषणा की थी — यह पूर्व CM नीतीश कुमार के दो दशकों की सेवा और 2012 की उनकी दूरदृष्टि को सम्मान है। PM मोदी ने Bihar में कुल ₹34,470 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उद्घाटन में Bihar के राज्यपाल Lt. Gen. Syed Ata Hasnain (Retd.), केंद्रीय मंत्री Chirag Paswan और CM सम्राट चौधरी उपस्थित रहे। उद्घाटन के घंटों बाद कथित RJD समर्थकों ने Nitish Setu पर NDA पोस्टर फाड़े और लालू-तेजस्वी के नारे लगाए — जिससे BJP-RJD में नई तकरार शुरू हुई। (PM Modi Inaugurates 6-Lane 'Nitish Setu' In Bihar Amid Naming Row: Check Route, Travel Time Saved And Key Details +4)

2. First SCO Civilisational Dialogue Concludes in New Delhi; 'Indraprastha Communique' Adopted — India Asserts Cultural Sovereignty
हिन्दी अनुवाद: पहला SCO सांस्कृतिक-सभ्यता संवाद नई दिल्ली में संपन्न; 'इंद्रप्रस्थ कम्यूनिके' अपनाया गया — भारत ने सांस्कृतिक संप्रभुता का दृढ़ता से पक्ष रखा।
पहले SCO सांस्कृतिक-सभ्यता संवाद का समापन नई दिल्ली में 'इंद्रप्रस्थ कम्यूनिके' को अपनाने के साथ हुआ — थीम थी "Every Civilisation An Equal Voice।" SCO (Shanghai Cooperation Organisation) में 9 सदस्य देश हैं: भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान, कज़ाकिस्तान, किर्गिज़स्तान, ताजिकिस्तान, उज़्बेकिस्तान और ईरान। SCO का गठन 2001 में हुआ था। भारत SCO का सदस्य 2017 से है। यह संवाद भारत की SCO अध्यक्षता 2023 के एजेंडे का विस्तार है जिसमें सभ्यताओं के बीच समान संवाद और सांस्कृतिक विविधता के सम्मान पर जोर दिया गया। UPSC/BPSC परीक्षाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण। (etvbharat)

3. 7 Army Family Members Killed in Truck-Car Collision in Gujarat's Kutch; PM Modi Announces Rs 2 Lakh Ex-Gratia
हिन्दी अनुवाद: गुजरात के कच्छ में ट्रक-कार टक्कर में सेना के परिवार के 7 सदस्यों की मृत्यु — 3 बच्चे भी शामिल; PM मोदी ने ₹2 लाख अनुग्रह राशि की घोषणा की।
भुज के पास Rann of Kutch की यात्रा से लौट रहे परिवार की कार एक ट्रक से टकरा गई जिसमें सेना के परिवार के 7 सदस्यों की मृत्यु हो गई जिनमें 3 बच्चे भी शामिल थे। PM मोदी ने ₹2 लाख की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। यह दुखद घटना राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क सुरक्षा के प्रति चिंता को एक बार फिर उजागर करती है। (etvbharat)

## INTERNATIONAL NEWS

1. Nepal PM Balen Shah Arrives in India for First Bilateral Visit; $2 Billion Aid, Energy & 'Samriddha Nepal, Samunnat Bharat' Vision on Agenda
हिन्दी अनुवाद: Nepal PM बालेन्द्र शाह पहली भारत यात्रा पर पहुँचे; $2 अरब सहायता, ऊर्जा सहयोग और 'समृद्ध नेपाल, समुन्नत भारत' विज़न एजेंडे में — कल PM मोदी से द्विपक्षीय वार्ता।
36 वर्षीय नेपाल PM बालेन्द्र शाह रविवार 22 नवम्बर को PM नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर भारत की अपनी पहली द्विपक्षीय यात्रा पर पहुँचे। MoS Commerce Jitin Prasada ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। PM मोदी के साथ वार्ता में ऊर्जा, व्यापार और कनेक्टिविटी पर सहयोग को मज़बूत करने पर ध्यान केंद्रित होगा। इस यात्रा के दौरान $2 अरब के भारतीय सहायता पैकेज और सीमा विवाद पर चर्चा होगी। 'समृद्ध नेपाल, समुन्नत भारत' पर आधारित 10-सूत्रीय साझेदारी विज़न दस्तावेज जारी होने की उम्मीद है। PM शाह 23 नवम्बर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलेंगे और PM मोदी के साथ औपचारिक द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। (Nepal PM Balen Shah Begins First Bilateral Visit To India; Energy, Connectivity On Agenda +4)

2. India's Net Oil & Gas Import Bill Surges 60% Year-on-Year — US-Iran War Impact Deepens Energy Crisis
हिन्दी अनुवाद: भारत का शुद्ध तेल एवं गैस आयात बिल वार्षिक आधार पर 60% उछला — US-Iran युद्ध से ऊर्जा संकट गहराया।
भारत का शुद्ध तेल और गैस आयात बिल वार्षिक आधार पर 60 प्रतिशत उछल गया। यह भारी वृद्धि US-Iran युद्ध के कारण होर्मुज़ जलडमरूमध्य में व्यापारिक जहाजरानी पर जोखिम, वैश्विक तेल आपूर्ति में व्यवधान और कच्चे तेल के बढ़े हुए बीमा-परिवहन प्रीमियम के कारण है। भारत अपनी 85% से अधिक कच्चे तेल की ज़रूरतें आयात से पूरी करता है। यह India के चालू खाता घाटे (CAD) पर गंभीर दबाव डाल सकता है। UPSC/BPSC के ऊर्जा सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और अर्थव्यवस्था खंड के लिए महत्वपूर्ण। (uniindia)

3. Estonia-Russia Tensions Escalate; Baltic States Push for NATO Article 5 Contingency Planning
हिन्दी अनुवाद: एस्टोनिया-रूस के बीच तनाव बढ़ा; बाल्टिक देशों ने NATO Article 5 की आपातकालीन योजना पर ज़ोर दिया।
एस्टोनिया और रूस के बीच राजनयिक तनाव बढ़ गया है। Russia-Ukraine संघर्ष की पृष्ठभूमि में Baltic देशों (Estonia, Latvia, Lithuania) ने NATO से Article 5 (सामूहिक रक्षा) के तहत आपातकालीन तैयारियों को तेज़ करने की माँग की है। Estonia पहले से ही 3% GDP रक्षा पर खर्च करता है — NATO में सर्वाधिक में से एक। यह घटनाक्रम UPSC/BPSC के अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा और NATO खंड के लिए महत्वपूर्ण है। (careerindia)

# BIHAR NEWS

1. 'Nitish Setu' Inaugurated by PM Modi — Historic Connectivity Boost for North Bihar; CM Samrat Choudhary Hails Bridge as Symbol of 'Double Engine Government'
हिन्दी अनुवाद: PM मोदी ने 'नीतीश सेतु' का उद्घाटन किया — उत्तर बिहार को ऐतिहासिक कनेक्टिविटी; CM सम्राट चौधरी ने पुल को 'डबल इंजन सरकार' का प्रतीक बताया।
CM सम्राट चौधरी ने 13 नवम्बर को कहा था कि PM नरेन्द्र मोदी 21 नवम्बर को वैशाली ज़िले में गंगा के ऊपर बने 6-लेन ब्रिज का उद्घाटन करेंगे जिसे 'नीतीश सेतु' नाम दिया गया है। नीतीश सेतु गंगा के ऊपर 19.7 km लंबी cable-stayed bridge परियोजना है जो पटना और वैशाली ज़िलों के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाती है। इस पुल के खुलने से पटना से वैशाली/मुजफ्फरपुर की यात्रा में 2-3 घंटे की बचत होगी; उत्तर बिहार के किसानों को मंडियों तक पहुँचना आसान होगा और आर्थिक गतिविधियाँ तेज़ होंगी। पश्चिम चम्पारण सहित पूरे तराई क्षेत्र के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है। (theprint) (openthemagazine)

2. East Champaran 2nd in Bihar in HIV Cases; Migrant Workers a Major Concern — UNI Report
हिन्दी अनुवाद: बिहार में HIV मामलों में पूर्वी चम्पारण दूसरे स्थान पर; प्रवासी मज़दूर सबसे बड़ी चिंता — जागरूकता और परीक्षण बढ़ाने की ज़रूरत।
मोतिहारी से UNI की रिपोर्ट के अनुसार Bihar में HIV संक्रमण के बढ़ते मामलों में पूर्वी चम्पारण दूसरे स्थान पर है; बिहार से रोज़गार के लिए पलायन करने वाले प्रवासी मज़दूर HIV संक्रमण का प्रमुख कारण बन रहे हैं। पश्चिम चम्पारण और पूर्वी चम्पारण — दोनों ज़िलों में बड़ी संख्या में युवा महानगरों में काम करते हैं और वापस लौटने पर जाँच नहीं कराते। BPSC/SSC परीक्षाओं के लिए: HIV/AIDS = Human Immunodeficiency Virus; WHO ने 1988 से 1 दिसम्बर को World AIDS Day घोषित किया। NACO (National AIDS Control Organisation) भारत में HIV/AIDS की रोकथाम का नोडल निकाय है। (uniindia)

# SPORTS NEWS

1. India Declare at Historic 720/9 vs New Zealand — Highest Test Total on Kiwi Soil; Pant 128, KL Rahul 136; 352-Run Lead; NZ 119/2 at Day 4 Stumps
हिन्दी अनुवाद: India ने NZ के विरुद्ध ऐतिहासिक 720/9 पर पारी घोषित की — कीवी धरती पर सर्वोच्च Test स्कोर; Pant 128, KL Rahul 136; 352 रन की बढ़त; NZ Day 4 पर 119/2।
भारत ने Wellington Test में पहली पारी 720/9 पर घोषित कर दी और 352 रन की पहली पारी की बढ़त हासिल की। इस innings में एक अनोखा विश्व रिकॉर्ड बना — पहली बार Test इतिहास में किसी टीम के पहले सात wicket partnerships प्रत्येक 50 या उससे अधिक रन के रहे। KL Rahul 136 और Rishabh Pant 128 ने शतकीय पारियाँ खेलीं। New Zealand की पहली पारी: 368 (Henry Nicholls 175; Bumrah 4/92); India की पहली पारी: 720/9 dec (166 overs)। Pant ने अपना 9वाँ Test शतक बनाते हुए सभी चार SENA (South Africa, England, New Zealand, Australia) देशों में Test century बनाने वाले पहले Asian wicketkeeper बने। Day 4 के stumps तक NZ 2nd innings: 119/2 — Devon Conway 59* (gritty unbeaten) के साथ। (India rewrite Test cricket history with record 720 for 9 declared against New Zealand +3)

2. Yuzvendra Chahal Joins BJP; NCC Day 2026: Rajnath Singh Greets Cadets
हिन्दी अनुवाद: युजवेंद्र चहल BJP में शामिल; NCC दिवस 2026: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कैडेट्स को बधाई दी।
भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल ने BJP में शामिल होने की घोषणा की। चहल भारत के प्रमुख leg-spin गेंदबाज़ों में रहे हैं और T20I क्रिकेट में भारत के सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज़ों में शामिल हैं। NCC (National Cadet Corps) दिवस 22 नवम्बर को मनाया गया; रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने NCC कैडेट्स और कर्मचारियों को बधाई दी। NCC स्थापना वर्ष: 1948; Motto: "Unity and Discipline"; तीनों सेनाओं के युवाओं को प्रशिक्षण देने वाला भारत का सबसे बड़ा युवा संगठन।



संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

🌉 "ज्ञान वह पुल है जो वर्तमान को भविष्य से जोड़ता है — नीतीश सेतु की तरह, हर दिन एक नया रास्ता बनाएं।"
NCC दिवस की शुभकामनाएं — Unity and Discipline। Bihar के बच्चों के लिए NCC एक सुनहरा अवसर है!

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

# जिज्ञासा से मिली सफलता

## जगदीश चंद्र बोस की पुण्यतिथि – 23 नवंबर

एक दिन महान भारतीय वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस पौधों पर प्रयोग कर रहे थे। वे जानना चाहते थे कि क्या पौधे भी बाहरी वातावरण में होने वाले बदलावों के प्रति प्रतिक्रिया देते हैं?

लोगों के लिए पौधे केवल पेड़-पौधे थे, लेकिन बोस के लिए वे प्रकृति की एक अनसुलझी पहेली थे। उन्होंने वर्षों तक धैर्यपूर्वक प्रयोग किए। वे तापमान, प्रकाश और अन्य परिस्थितियों में बदलाव करके पौधों की प्रतिक्रियाओं का अध्ययन करते रहे।

उनका मानना था कि विज्ञान में किसी बात को केवल सुनकर या मानकर स्वीकार नहीं करना चाहिए, बल्कि प्रयोग और प्रमाण से उसकी सच्चाई जाननी चाहिए।

इसी जिज्ञासा और मेहनत के बल पर उन्होंने एक विशेष उपकरण क्रेस्कोग्राफ विकसित किया, जिससे पौधों की अत्यंत सूक्ष्म वृद्धि को मापा जा सकता था। उनके प्रयोगों ने दुनिया का ध्यान पौधों की संवेदनशील प्रतिक्रियाओं की ओर आकर्षित किया।

जगदीश चंद्र बोस ने रेडियो तरंगों और वनस्पति विज्ञान के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका जीवन बताता है कि महान खोजें अचानक नहीं होतीं; उनके पीछे वर्षों की मेहनत, धैर्य और सवाल पूछने की आदत होती है।

23 नवंबर 1937 को उनका निधन हुआ, लेकिन उनके वैज्ञानिक विचार आज भी हमें प्रेरित करते हैं।

सीख : किसी भी महान सफलता की शुरुआत एक छोटे-से सवाल से होती है। इसलिए सवाल पूछने से कभी मत डरिए। जिज्ञासु बनिए, प्रयोग कीजिए और तब तक सीखते रहिए, जब तक आपको उत्तर न मिल जाए।



.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।



आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

# "माथा-पच्ची"

## आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-39

सोचो... समझो... हल करो...

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 2 | | | | | | | 3 |
| | | 8 | 2 | | 7 | | | |
| 5 | 1 | | | | 8 | | | 9 |
| | | | | | | | | |
| | 5 | 1 | | 4 | | 9 | | 8 |
| | 3 | | 9 | 8 | 2 | | | |
| | 8 | 9 | | 2 | | | | |
| 1 | | | | | | 7 | 5 | |
| | | | | | | | | |

### नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक 3×3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।

### आज का विचार

"मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।"

— कबीरदास

### याद रखे

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

### उत्तर

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9 | 2 | 7 | 1 | 5 | 4 | 6 | 8 | 3 |
| 3 | 6 | 5 | 2 | 9 | 7 | 1 | 4 | 8 |
| 8 | 1 | 4 | 6 | 3 | 5 | 2 | 7 | 9 |
| 5 | 9 | 2 | 8 | 7 | 1 | 3 | 6 | 4 |
| 7 | 8 | 1 | 3 | 4 | 6 | 9 | 2 | 5 |
| 4 | 3 | 6 | 9 | 1 | 2 | 5 | 1 | 7 |
| 6 | 5 | 9 | 7 | 2 | 8 | 4 | 3 | 1 |
| 1 | 4 | 3 | 5 | 8 | 9 | 7 | 6 | 2 |
| 2 | 7 | 8 | 4 | 6 | 3 | 8 | 9 | 6 |

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

# "डिकोड"

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।



श्रीमद्भगवद्गीता – अध्याय 12, श्लोक 15
यस्मान्नोद्विजते लोको लोकान्नोद्विजते च यः।
हर्षामर्षभयोद्वेगैर्मुक्तो यः स च मे प्रियः॥

सरल हिन्दी अर्थ:
जिस मनुष्य से किसी भी जीव या संसार को उद्वेग (भय, कष्ट या अशांति) नहीं होता और जो स्वयं भी संसार के व्यवहार से उद्विग्न (विचलित या भयभीत) नहीं होता; तथा जो अत्यधिक हर्ष (उन्माद), अमर्ष (ईर्ष्या/क्रोध), भय और उद्वेग (घबराहट) से मुक्त है—वह भक्त मुझे अत्यंत प्रिय है।

आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ
श्रीकृष्ण यहाँ भावनात्मक स्थिरता (Emotional Stability) और पारस्परिक शांति का सबसे व्यावहारिक पैमाना देते हैं। अक्सर हम केवल यह देखते हैं कि दुनिया हमारे साथ कैसा व्यवहार कर रही है, लेकिन गीता पहले यह पूछती है कि हमारी उपस्थिति से दुनिया पर क्या असर पड़ रहा है:

- यस्मान्नोद्विजते लोकः (Non-Threatening Presence): क्या आपके बोलने, व्यवहार करने या निर्णय लेने से आपके आसपास के लोगों—परिवार, सहकर्मियों या बच्चों—में डर, तनाव या असुरक्षा पैदा होती है? एक परिपक्व व्यक्तित्व वह है जिसकी उपस्थिति में लोग सहज, सुरक्षित और सम्मानित महसूस करें।
- लोकान्नोद्विजते च यः (Emotional Resilience): दूसरा पक्ष है आत्म-नियंत्रण। बाहरी लोग क्या कहते हैं, कैसी आलोचना करते हैं या परिस्थितियाँ कितनी प्रतिकूल हैं—इससे भीतर से न घबराना और अपना मानसिक संतुलन न खोना।

a. चार आंतरिक विकारों से मुक्ति:हर्ष: सफलता पर अहंकारपूर्ण उन्माद।
b. अमर्ष: दूसरों की प्रगति देखकर जलन या क्रोध।
c. भय: भविष्य या नुकसान की काल्पनिक चिंता।
d. उद्वेग: छोटी-छोटी बातों पर अधीर होकर बेचैन हो जाना।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-8

# "अच्छी ख़बर"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

## चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।



चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

**निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है**

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम पायदान पर बैठे छात्र तक पहुंचता है।

हिन्दुस्तान

## सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

**बगहा।** सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं।ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की।जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन



### सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, लत्वी का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

## 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम रिन्टू कुमार, सौरभ कुमार, राय, मनीज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।


प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

**सप्तऋषि मॉडल से सर्वांगीण**

संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यार्थियों के मानसिक, सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

पूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

**शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर:**

पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

**कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता:** ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

**शिक्षा से बदलाव की दिशा:**

'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त



# "भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-9

## सर्वधर्म समभाव के महानायक और स्वामी विवेकानंद के गुरु: श्री रामकृष्ण परमहंस

प्यारे बच्चों, क्या आपने कभी किसी ऐसे सरल और निश्छल संत के बारे में सुना है, जिनका हृदय किसी छोटे बच्चे की तरह पवित्र था और जिन्होंने बिना बड़ी-बड़ी किताबें पढ़े पूरी दुनिया को यह महान सत्य सिखाया कि "यतो मत ततो पथ"—अर्थात जितने धर्म और मत हैं, वे सब एक ही ईश्वर तक पहुँचने के अलग-अलग रास्ते हैं? वे विश्वविख्यात युवा संन्यासी स्वामी विवेकानंद के परम पूज्य गुरु थे। पूरा संसार उन्हें बड़े आदर और श्रद्धा से श्री रामकृष्ण परमहंस के नाम से जानता है।

श्री रामकृष्ण परमहंस का जन्म 18 फरवरी 1836 को पश्चिम बंगाल के हुगली ज़िले के एक शांत और हरे-भरे गाँव 'कामारपुकुर' के एक निर्धन, किंतु अत्यंत धर्मपरायण ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता श्री खुदीराम चट्टोपाध्याय एक सच्चे, ईमानदार और सादगीपसंद व्यक्ति थे, जिन्होंने ज़मींदार के दबाव में झूठी गवाही देने से इनकार कर अपनी सारी पैतृक संपत्ति छोड़ दी थी। उनकी माता श्रीमती चंद्रमणि देवी अत्यंत स्नेहमयी, करुणामयी और ममता की मूरत थीं। माता-पिता ने बालक का नाम 'गदाधर' रखा था, पर प्यार से गाँव के सब लोग उन्हें 'गदाई' कहकर पुकारते थे।

नन्हे गदाधर बचपन से ही बड़े संवेदनशील, कलाप्रेमी और प्रकृति से प्रेम करने वाले बालक थे। उन्हें स्कूल की नीरस पढ़ाई और गणित के कठिन सवालों से ज़्यादा सुंदर कहानियाँ सुनने, मिट्टी की मूर्तियाँ बनाने, चित्रकारी करने और भजन गाने में आनंद आता था। उनके बचपन की एक घटना बहुत प्रसिद्ध है। एक दिन छह वर्ष के नन्हे गदाई धान के खेतों की मेड़ पर चल रहे थे। अचानक आकाश में काले-काले बादल घिर आए और उनके बीच से दूध जैसे सफेद बगुलों की एक सुंदर कतार उड़ती हुई निकली। प्रकृति के इस अद्भुत सौंदर्य को देखकर बालक गदाई इतने भाव-विभोर हो गए कि वे सुध-बुध खोकर वहीं ज़मीन पर आनंद की समाधि में लीन हो गए।

बड़े होने पर वे अपने बड़े भाई रामकुमार के साथ कोलकाता आ गए और हुगली नदी के किनारे स्थित प्रसिद्ध 'दक्षिणेश्वर काली मंदिर' के पुजारी बने। वे माँ काली की पूजा किसी कर्मकांड की तरह नहीं, बल्कि अपनी सगी माँ की तरह करते थे। वे माँ की मूर्ति से बातें करते, उन्हें अपने हाथों से भोग लगाते और दर्शन के लिए बच्चों की तरह बिलख-बिलख कर रोते थे। उनकी सच्ची पुकार से माँ काली ने उन्हें साक्षात दर्शन दिए।

परमहंस जी ने केवल हिंदू धर्म ही नहीं, बल्कि इस्लाम और ईसाई धर्म की साधना भी पूरी निष्ठा से की और पाया कि सभी धर्मों का लक्ष्य एक ही परमात्मा है। वे कभी किसी धर्म, जाति या अमीर-गरीब में भेदभाव नहीं करते थे। उन्होंने अपने शिष्यों को सिखाया कि "जीव ही शिव है"—अर्थात गरीबों, बीमारों और भूखों की सेवा करना ही ईश्वर की सच्ची पूजा है। उनकी इसी पावन शिक्षा को आगे चलकर उनके सबसे प्रिय शिष्य नरेंद्रनाथ (स्वामी विवेकानंद) ने पूरी दुनिया में फैलाया और 'रामकृष्ण मिशन' की स्थापना की।

16 अगस्त 1886 को कोलकाता के काशीपुर उद्यान में इस महान संत ने महासमाधि ले ली। प्यारे बच्चों, श्री रामकृष्ण परमहंस का पावन जीवन हमें सिखाता है कि अपने मन को हमेशा किसी बच्चे की तरह निश्छल और साफ रखो, सभी धर्मों व इंसानों का सम्मान करो तथा हर जीव में ईश्वर का रूप देखकर निस्वार्थ सेवा करो।



.....✍

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2



Reg. No. BR/2025/0487469

# "चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

## आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

# Thank You..

## बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।




संपादक:-
शैलेन्द्र कुमार
'प्रधान शिक्षक'
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)
📱 -9939671700

**आज का विचार:**

सच्ची श्रेष्ठता का प्रमाण यह है कि न आप किसी के तनाव का कारण बनें, और न किसी के व्यवहार को अपने तनाव का कारण बनने दें। भीतर की शांति और बाहर का सौम्य व्यवहार ही आपको हर स्थिति में अजेय बनाता है।

+917250818080
teachersofbihar@gmail.com
+917250818080
www.teachersofbihar.org